ont>

Title: Regarding flood situation in the state of Bihar and other parts of the country.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, जब-जब बरसात का मौसम आता है, उसे लेकर सदन में बहुत हंगामा होता है। उत्तर बिहार का जो इलाका है और जहां 17-18 जिले हैं, वे हर वर्ा बाढ़ से प्रभावित होते हैं जिससे लाखों नहीं करोड़ों लोग बेघर हो जाते हैं और सैंकड़ों लोग मारे भी जाते हैं। आज के अखबार में छपा है और जो भारत सरकार की रिपोर्ट है, उसके मुताबिक पुनपुन, गंडक, बागमती, अधवाड़ा समूह, कमला बालान, कोसी, बूढ़ी गंडक खतरे के निशान से कई सैंटीमीटर ऊपर चली गई हैं। इससे शिवहर जिले के पिपराही और तरयानी ब्लॉक समाप्त हो गए हैं।

बाढ़ की चपेट से ब्लॉक का एक घर भी नहीं बचा है, सारा का सारा ब्लॉक बह चुका है। स्थिति इतनी विदारक है कि सुलगाही, मझौरा, कोटिहा गांव के पास तटबंध टूट गया है और सीतामढ़ी जिले के बथनाहा के पास एन.एच.-104 बंद हो गया है, पुल बह गया है। ऐसी स्थिति मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया जिलों की भी है। मुजफ्फरपुर शहर में बाढ़ का पानी चला गया है। स्थिति इतनी विदारक है कि मैंने कई बार भारत सरकार से कहा है कि उसे नेपाल से वार्ता करनी चाहिये जिससे कोई ठोस निर्णय हो और कठोर कदम उठाये जा सकें लेकिन न जाने क्या कारण है कि आज तक इस ओर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। देश को आजाद हुये 56 साल हो गये हैं। इस दौरान जितनी भी सरकारें केन्द्र में आईं, किसी ने नेपाल से वार्ता नहीं की। न कोई डैम बनाया गया और न नदी को बड़ी नदी की ओर ले जाने का निर्णय लिया गया। स्थिति यह है कि ऊपर से प्राकृतिक प्रकोप होता है तो नीचे से बाढ़ आने से लोंगों का सामान लुट रहा है। सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं है। बिहार सरकार द्वारा किसी भी जिले में राहत नहीं प्राप्त हुई है। जो गरीब लोग हैं, मध्यम वर्ग के किसान हैं, उनका सामान छीना जा रहा है, उनके घर लूटे जा रहे हैं। बाढ़ के कारण वे घरों को छोड़कर भाग रहे हैं और जब नाव से जाते हैं तो उन्हें लूटा जा रहा है।

अध्यक्ष जी, यहां मंत्री जी बैठे हुये हैं। मेरा उनसे आग्रह है कि वे इस संबंध में आवश्यक मदद दें। मैंने इस सदन में बार-बार इस बात की मांग की है कि बिहार को िवशेा पैकेज दिया जाये। जब तक बिहार को विशेा पैकेज नहीं दिया जायेगा, भारत सरकार खुद इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी, तब तक यह कार्यवाही नहीं हो सकती है। मैंने कई बार इस बात के लिये मांग की है लेकिन बिहार सरकार चुप है। हर बार केन्द्रीय मंत्री और बिहार के कैबिनेट मंत्री कहते हैं कि कोई बांध नहीं टूटेगा। जल संसाधन मंत्री का बयान आता है लेकिन हर साल मधुबनी, सहरसा, दरभंगा, मुज़फ्फरपुर, गोपालगंज, शिवहर जिले में ऐसा ही होता है। रघुवंश बाबू जानते हैं कि जहां से दो-दो मुख्यमंत्री हैं लेकिन गोपालगंज की बर्बादी होती रहती है। इसलिये मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं किâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठिये। श्री प्रभुनाथ सिंह को मैंने बुलाया है। आप बैठिये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष जी, मैं एक मिनट में खत्म कर रहा हूं। बिहार में जो स्थिति है, उसके लिये मैं मंत्री जी का संरक्षण चाहता हूं। इस स वाल पर बिहार को बचाया जाये। बिहार को विशेा पैकेज के तहत नेपाल सरकार से वार्ता कर हाई डैम बनवाया जाये। केन्द्र इसमें हस्तक्षेप करके नेपाल सरकार से वार्ता करे और हाईडैम प्रोजैक्ट बनाने के लिये व्यवस्था करे। उत्तर बिहार के 17-18 जिलों को बाढ़ से बचाने की व्यवस्था करे अन्यथा यहां के किसान मर जायेंगे, बर्बाद हो जायेंगे। भारत सरकार के मंत्री हस्तक्षेप करें, यह मेरी मांग हैâ€¦ (व्यवधान) बिहार सरकार ने गला घोंट दिया है, वहां से दो दो मुख्यमंत्री हैं।â€¦ (व्यवधान) बिहार को बाढ़ से बचाया जाये, यही मेरा निवेदन हैâ€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, हमारे निर्वाचन क्षेत्र गोपालगंज में गांव के गांव बह गये हैं उत्तर बिहार के 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। हम सब इस सदन में चर्चा करना चाहते हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस नहीं है, आप क्यों बोल रहे हैं। आप बैठिये। मैंने प्रभुनाथ सिंह जी को बुलाया है। जिसका नोटिस नहीं है, मैं उन्हें मौका नहीं दे सकता। यदि आप लोग चाहें तो इस विाय पर चर्चा मांग सकते हैं जिसे मैं बी.ए.सी. में रख सकता हूं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अगर इस विाय पर चर्चा करना चाहें तो कर सकते हैं। श्री प्रभुनाथ सिंह जी।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, बिहार में प्रतिर्वा बाढ़ का प्रकोप होता है। जब बाढ़ आती है तो हम लोग इस समस्या को उठाते हैं लेकिन इस समस्या का उचित समाधान नहीं हो पाता है। बिहार में सरयू नदी में बाढ़ का पानी बढ़ रहा है। मैं कल गया था। छपरा जिला के मांझी प्रखंड के डुमरी गांव की हालत बहुत खराब है। डुमरी गांव बहुत बड़ा गांव है और डेढ़ किलोमीटर तक सरयू नदी का कटाव बहुत तेजी से है जिससे यह गांव पानी में विलीन होने की स्थिति में है।

राज्य सरकार की तरफ से वहां पदाधिकारी गये हुए थे। गांव में लोगों की सुरक्षा के लिए कोई उचित कदम नहीं उठाया गया है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि डुमरी गांव के बचाव के लिए राज्य सरकार से प्रस्ताव मंगाकर केन्द्र सरकार धन मुहैया कराये और डुमरी गांव के बचाव के लिए उचित कदम उठाये। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठी हुई हैं, वह कम से कम इस सवाल पर रिस्पांस करे कि वह राज्य सरकार को यह मैसेज देंगी, कम से कम इसका आश वासन सदन को दें। एक केन्द्रीय टीम वहां भेजने का प्रयास करें। अगर कुछ नहीं होगा तो सिर्फ कहने से कोई रास्ता नहीं निकल पाता है। संसदीय कार्य मंत्री जी यहां बैठी हैं। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि डुमरी गांव के बचाव के लिए कौन सा कदम केन्द्र सरकार उठायेगी। वह राज्य सरकार को क्या निर्देश देना चाहती हैं, कृपया संसदीय कार्य मंत्री जी बतायें।

डॉ. मदन प्रसाद जायसवाल (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र का एक विधान सभा क्षेत्र है,जहां गंडक नदी नेपाल से आती है, वहां पर चम्पारण तटबंध के ध्वस्त हो जाने से एक विधान सभा क्षेत्र के दो प्रखंड नौतन और बैरिया (पश्चिम चम्पारण) में लगभग 50 व्यक्ति और बच्चे बाढ़ में बह गये हैं और काफी जानवरों का भी पता नहीं है। हजारों घर बाढ़ की चपेट में आकर डूब गये हैं। आवागमन के सारे रास्ते बंद हो गये हैं। वहां दस फीट से बारह फीट पानी में पक्के मकान डूब गये हैं और कच्चे मकान ध्वस्त हो गये हैं। लेकिन बिहार सरकार की ओर से वहां कोई राहत कार्य नहीं किये जा रहे हैं। बाढ़ से घिरे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए नावों की व्यवस्था नहीं की गई है। अतः मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को सेना के सुपुर्द किया जाए और वहां मोटरबोट और हैलिकॉप्टरों से राहत पहुंचाई जाए।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री जी बैठी हुई हैं, वह इस पर कुछ बोलें। â€¦ (व्यवधान)

DR. NITISH SENGUPTA (CONTAI): Sir, I would like to associate myself with and extend support to the views of the hon. Members on this issue. North Bengal is also affected by this problem.

अध्यक्ष महोदय : देखिये आप लोग सदन का समय क्यों लेते हैं। प्लीज सुनिये। इस विाय पर चार नोटिसेज हैं। चारों सदस्यों के भााण पूरे होने के बाद मैं मंत्री जी

से पूछ सकता हूं। आप बैठिये, मैं आपका नाम एसोसिएट करूंगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, मेरा भी इसी विाय पर नोटिस है, यह बहुत महत्वपूर्ण विाय है।

अध्यक्ष महोदय : आप इस विाय चर्चा मांगिये, मैं चर्चा कराने को तैयार हूं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास दूसरे विाय भी चर्चा के लिए हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस पर केवल दो-दो मिनट बोलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करनी हैं और मंत्री जी से उत्तर लेना है, सीधी सी बात है। अभी डा.रघुवंश प्रसाद जी, आप बोलिये।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, अंतर्राट्रीय नदियों और हिमालय के पार से आने वाली नदियों के कारण हर साल बिहार बाढ़ से प्रभावित होता है और उसकी विनाशकारी प्रतिक्रिया होती है। अभी कल की सूचना है, गंडक नदी से वहां मैक्सीमम रिकार्ड 6 लाख 25 हजार क्यूसेक पानी आता रहा था, लेकिन इस बार सौ र्वा का रिकार्ड टूट गया। इस र्वा 6 लाख 40 हजार क्यूसेक पानी गंडक नदी से आया। उसी तरह से बागमती नदी ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। वहां 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए, सारे रास्ते टूट गये, गरीबों के घर बह गये, फसलें बह गईं। सभी माननीय सदस्यों ने सवाल उठाया कि इस समस्या का स्थायी समाधान भारत-नेपाल समझौते के बिना नहीं हो सकता। सी.आर.एफ. के एन.सी.सी.एफ. का एक पैसा भारत सरकार ने रिलीज नहीं किया, जबकि उसे तीन हिस्सा पैसा रिलीज करना चाहिए था। इसके कारण राहत कार्यों में बाधा पड़ती है। इसलिए वहां तुरंत एक सैन्ट्रल टीम भेजी जाए और बाढ़ का स्थायी समाधान किया जाए। बाढ़पीड़ितों की राहत के लिए वहां केन्द्र से एक टीम भेजी जाए और बिहार सरकार को पर्याप्त सहायता मुहैया की जाए, ताकि बाढ़पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम हो। सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, शिवहर में रास्ते टूट गये हैं â€¦(व्यवधान) बाढ़ के पानी से रेलवे लाइनें टूट गई हैं। इस सब पर सरकार की तरफ से कोई बयान आना चाहिए कि वहां केन्द्रीय टीम कब भेजी जायेगी और बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए सरकार को कुछ कदम उठाने चाहिए तथा सी.आर.एफ. में एन.सी.सी.एफ. का फंड बिहार सरकार को तुरंत रिलीज किया जाए, जिससे बिहार के बाढ़पीड़ितों की सहायता हो सके।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : सर, मैं यह विाय रीओपन नहीं करना चाहता। लेकिन मेरा नोटिस है, मुझे भी बोलने का समय दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र प्रसाद जी, आपका नोटिस है, लेकिन थोड़ा विाय अलग है। मैं आपको बोलने की इजाजत दे रहा हूं। आपका नोटिस एक्जैक्ट बाढ़ पर नहीं है, लेकिन आप बोलिये।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, इस विाय की गंभीरता आप समझते हैं। बिहार के माननीय सदस्य शुक्रवार से बाढ़ के सवाल पर लगातार नोटिस दे रहे हैं। बाढ़ की समस्या का जब तक स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक इसी तरह से हर साल लाखों लोग बेघर होते रहेंगे। रघुवंश जी ने ठीक कहा था कि आज छः लाख चालीस हज़ार क्यूसैक पानी गंडक में आने के कारण पूरे बिहार में तबाही मची हुई है। लाखों लोगों की जान-माल खतरे में पड़ी हुई है। पिछले साल जब सवाल उठा था, तो 9 दिसम्बर को आपने स्वयं इजाज़त दी थी और सदन में इस पर बहस हुई थी। तीस करोड़ रुपये भारत सरकार ने रिलीज़ किये डीटेल्ड प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए। इस पर भारत-नेपाल का 2001 में समझौता हुआ था। वह समझौता अभी तक लागू नहीं किया गया है। â€¦(व्यवधान) जो नेपाल में बैराज बनना था, वह भी अभी तक नहीं बना है। इसीलिए यह विाय बहुत गंभीर है। हर साल इससे लाखों गांव पानी में डूब जाते हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप चर्चा उपस्थित कर सकते हैं, बी.ए.सी. में ले आइए। मैं परमीशन दूंगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह राट्रीय सवाल है। सरकार इस बात को गंभीरता से ले और सरकार इसमें सकारात्मक पहल का आश्वासन सदन में दे नहीं तो लगातार यह सवाल उठता रहेगा। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको मैंने इजाज़त दी है, आपने भूमिका रखी है।

SHRI ADHIR CHOWDHARY (BERHAMPORE, WEST BENGAL): Sir, so for, the Congress Bench has been left untouched. Please allow us also. â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज़ सुनिये। I want to conclude this subject.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, the hon. Minister, Shrimati Sushma Swawraj.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, बिहार की बाढ़ के प्रकोप का उल्लेख भाई पप्पू याद व और अन्य सांसदों ने किया है, वह मानवीय पीड़ा से जुड़ा हुआ मसला है। माननीय सांसदों ने चाहा है कि गृह मंत्री को मैं इससे अवगत कराऊं।

अध्यक्ष महोदय : गृह मंत्री नहीं, संबंधित मंत्री।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : बाढ़ के मामले में गृह मंत्री को ही अवगत कराना चाहिए क्योंकि गृह मंत्री उसके प्रभारी हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप मंत्री जी का उत्तर तो सुन लें।

श्रीमती सुमा स्वराज : जो आपने चाहा था, मैंने उसी का ज़िक्र किया था। â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : गंडक की बाढ़ से उत्तर प्रदेश के सोहगी बरवा और पडरौना जिला भी प्रभावित हो रहा है। â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुमा स्वराज : उन्होंने स्वयं चाहा था कि मैं गृह मंत्री जी को अवगत कराऊं। â€¦(व्यवधान) सामान्यतः प्राकृतिक आपदा से जुड़े हुए मसलों

का जवाब कृषि मंत्री देते हैं लेकिन यह एक अलग विषय है और चूँकि वे चाहते हैं कि डिज़ास्टर मैनेजमैंट ग्रुप के अध्यक्ष चूंकि गृह मंत्री है और प्रभुनाथ सिंह जी ने खास तौर पर डुमरीगांव का ज़िक्र किया है, मैं गृह मंत्री जी और कृषि मंत्री जी दोनों को अवगत करा दूँगी और निश्चित तौर पर सरकार इस पर अपनी प्रतिक्रिया देगी।